सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 26 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी आदमी का असली चरित्र तब सामने आता है जब वो नशे में होता है।
-चार्ली चैपलिन

रांची टेस्ट में टीम इंडिया ने मारी... 7 | मिलेगा यूपी का साथ, आसान... 3 | पीडीए पर ध्यान देंगे व इसी वर्ग... 2

राज्यसभा चुनाव में भाजपा की चालबाजी से बिफरा विपक्ष

15 सीटों के लिए चल रहा मतदान, क्रास वोटिंग का खतरा

» विपक्ष के कई विधायक भाजपा के पाले में

» कांग्रेस-सपा ने कहा- मर चुकी है बीजेपी की अंतरात्मा

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन राज्यों यूपी, हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में राज्य सभा चुनावों में बीजेपी के तोड़फोड़ से विपक्ष के कई विधायकों ने क्रास वोटिंग की। भाजपा के इस कारनामे पर कांग्रेस, सपा व अन्य विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राज्यसभा की 15 सीटों के लिए उत्तर प्रदेश कोटे की 10, कर्नाटक की चार और हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए वोटिंग चल रही है। यूपी में राज्यसभा चुनाव के बीच सपा को बड़ा झटका लगा है। मनोज कुमार पांडेय ने सपा के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले राज्यसभा की 41 सीटों के लिए सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

बता दें कि उत्तर प्रदेश कोटे की 10 सीटों के लिए कुल 11 प्रत्याशी मैदान में है, जिनमें से आठ भाजपा और तीन सपा के हैं। चुनाव परिणाम देर रात तक आने की संभावना है। सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला और सियासी उठापटक तो उत्तर प्रदेश में है। यहां बीजेपी ने अपना आठवां कैंडिडेट उतारकर समाजवादी पार्टी का खेल ही बिगाड़ दिया है। लेकिन गौरीगंज से एसपी के विधायक मनोज पांडेय के ऐन समय में पाला बदलने के बाद अखिलेश यादव का खेल खराब हो चुका है।

यूपी के नंबर गेम में धोखा खा गए अखिलेश

उत्तर प्रदेश में 10 राज्यसभा सीटों में से बीजेपी नंबर गेम के हिसाब से आसानी से 7 सीटें जीत सकती है। राज्य में एनडीए गठबंधन के पास 288 विधायक हैं। लेकिन बीजेपी ने विपक्ष को चौंकाते हुए आठवां कैंडिडेट संजय सेठ के रूप में उतार दिया। यहां से ही एसपी चीफ अखिलेश यादव का मामला गड़बड़ हो गया। कल रात हुई डिनर पार्टी से एसपी के 8 विधायक गायब थे। आज सुबह ही अखिलेश के खासमखास रहे विधायक मनोज पांडे ने पाला बदल लिया है। माना जा रहा है कि वो बीजेपी में शामिल होकर रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। यूपी में एक सीट पर जीत के लिए 37 वोट की जरूरत है। पार्टी के पास कुल 108 विधायक हैं। ऐसे में एसपी के 3 में दो 2 कैंडिडेट आसानी से जीत जाएंगे। पेच तीसरे कैंडिडेट आलोक रंजन को लेकर फंसा है। एसपी को कांग्रेस के 2 विधायक भी वोट करेंगे। ऐसे में बीजेपी को अपने आठवें कैंडिडेट को जिताने के लिए 8 अतिरिक्त वोटों की जरूरत है जबकि एसपी को 3 की।

हिमाचल में बीजेपी खेल बिगाड़ने की फिराक में

हिमाचल प्रदेश की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए भी चुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस के पास 40 विधायक हैं और यहां किसी भी उम्मीदवार को जीत के लिए प्रथम वरीयता के 35 वोटों की जरूरत है। सिंघवी के खिलाफ बीजेपी ने हर्ष महाजन को उतारा है। बीजेपी को यहां जीत के लिए अतिरिक्त 10 वोटों की जरूरत है। ऐसे में कांग्रेस के अगर 10 विधायक क्रॉस वोटिंग कर दें तभी बीजेपी का कैंडिडेट जीत सकता है। बीजेपी की नजर कांग्रेस के नाराज विधायकों पर है। बीजेपी के कैंडिडेट तभी विजयी हो सकते हैं जब कम से कम कांग्रेस के 7 और तीन निर्दलीय विधायक बीजेपी का समर्थन कर दें। दूसरी स्थिति यह हो सकती है कि कांग्रेस के 13 विधायक मतदान के दौरान अनुपस्थित रहें। लेकिन ऐसा हो पाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है।

सीएम सिद्धारमैया ने बीजेपी पर साधा निशाना

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने भी चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार खड़ा किया है, लेकिन 5वें उम्मीदवार के लिए उन्हें 45 वोटों की जरूरत है, क्या उनके पास 45 वोट हैं? बिना संख्या के वे कैसे जीतेंगे? हालांकि वे जानते हैं कि उनके पास संख्याबल नहीं है। उन्होंने कुपेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा और उन्होंने हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की, इसीलिए उनके खिलाफ सह्रक्रदर्ज की गई है।

बीजेपी में पैसा अंतरात्मा चलता है : सुक्खू

हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी के खिलाफ हर्ष महाजन को मैदान में उतारकर राज्य की एकमात्र सीट पर मुकाबले को मजबूर कर दिया है। जबकि कांग्रेस के पास 40 और भाजपा के 25 विधायक हैं, चुनाव को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के रूप में देखा जाएगा। दावा किया जा रहा कि हिमाचल प्रदेश में क्रास वोटिंग हुई है। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की अफवाहों पर हिमाचल प्रदेश के मंत्री और कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, मेरी अंतरात्मा साफ है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा वीरभद्र सिंह ने कहा कि जब नतीजे आएंगे तब देखेंगे और स्थिति का सामना करेंगे। हम नैया पार लगा लेंगे, हमारे पास बहुमत है। हमें संकेत था कि वे (बीजेपी) धनबल का इस्तेमाल करेंगे। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हमारे सभी विधायकों ने चुनाव के लिए मतदान किया है। मुझे उम्मीद है कि उन सभी ने पार्टी की विचारधारा पर वोट किया होगा। परिणाम घोषित होने के बाद ही हम कुछ कह सकते हैं। बीजेपी में अंतर-आत्मा नाम की चीज नहीं है, वहा तो पैसा अंतर-आत्मा चलता है।

सभी आठ सीटों पर होगी जीत : डिप्टी सीएम ब्रजेश

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राज्यसभा चुनाव पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमारे आठों प्रत्याशी जीत रहे हैं, सभी मतदाताओं और विधायकों का समर्थन और आशीर्वाद भाजपा के साथ है।

सीएम योगी से मिले सपा विधायक

राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान करने विधानभवन आए सपा विधायक मनोज पांडेय, अभय सिंह, राकेश सिंह, राकेश पांडेय, विनोद चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। वहीं बसपा के एक मात्र विधायक उमाशंकर सिंह भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ को वोट देंगे। हालांकि, वह बसपा नहीं छोड़ रहे हैं।

जो कद्दावर लग रहे थे वे नहीं निकले कद्दावर : अखिलेश

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि राज्यसभा के चुनाव में वोट लेने के लिए भाजपा ने सब कुछ किया है, जो लोग गए हैं उनमें सरकार के खिलाफ खड़ा होने का साहस नहीं रहा होगा। कार्रवाई जरूर होगी क्योंकि हमारे साथियों का मानना है कि ऐसे लोगों को दूर कर देना चाहिए। समाजवादी पार्टी विधानमंडल दल के मुख्य सचेतक के पद से मनोज पांडेय के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि अभी तक वे कद्दावर नेता लग रहे थे, लेकिन कद्दावर नेता नहीं निकले। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा,राज्यसभा के चुनाव में वोट लेने के लिए भाजपा ने सब कुछ किया है, जो लोग गए हैं उनमें सरकार के खिलाफ खड़ा होने का साहस नहीं रहा होगा। कार्रवाई जरूर होगी क्योंकि हमारे साथियों का मानना है कि ऐसे लोगों को दूर कर देना चाहिए। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हर किसी में सरकार के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत नहीं होती। हर किसी पर दबाव डाला जाता है, क्या कोई है जो नहीं जानता कि बीजेपी जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। चंडीगढ़ चुनाव के दौरान भी बीजेपी ने बेईमानी की। यूपी की बात करें तो बीजेपी ने वोट पाने के लिए सब कुछ किया और जो लोग चले गए उनमें सरकार के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत नहीं रही होगी, उन पर कार्रवाई होगी। राज्यसभा चुनाव के मतदान के लिए सपा विधायक पल्लवी पटेल के नहीं पहुंचने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह अभी तक नहीं आई हैं तो वह जानें। मैं किसी की अंतरात्मा के बारे में नहीं जानता।

पीडीए पर ध्यान देंगे व इसी वर्ग के नेताओं को देंगे मौका : सपा

» यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए पार्टी कसेगी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सभा चुनावों में उठापटक के बीच सपा अब मार्च में राज्य में होने वाले यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए पूरी तरह से कमर कसेगी। इस चुनाव में सपा पीडीए समीकरणों को साधने का पूरा प्रयास करेगी। पार्टी मुस्लिम, कुर्मी, गुर्जर और धोबी समाज के नेताओं को मौका दे सकती है। इसके लिए पार्टी ने होमवर्क करीब-करीब पूरा कर लिया है। स्थितियां अनुकूल रहीं तो अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल को भी मौका मिल सकता है, बशर्ते वे सपा के सिंबल पर प्रत्याशी बनने को तैयार हों।

सूत्रों के मुताबिक, फिरोजाबाद के एक मुस्लिम नेता को मौका मिल सकता है। राज्यसभा प्रत्याशी रामजीलाल सुमन भी फिरोजाबाद के ही रहने वाले हैं। इन मुस्लिम नेता को साधने से सपा को लोकसभा चुनाव में फायदा होने की उम्मीद है। एक कुर्मी नेता को मौका देने पर भी सहमति बन चुकी है। पश्चिमी यूपी में गुर्जरों को साधने का दांव भी सपा चल सकती है। गुर्जर समाज के एक पूर्व विधायक के नाम पर भी विचार चल रहा है। लोहिया वाहिनी से जुड़े एक दलित नेता को भी मौका मिल सकता है। बता दें, विधान परिषद की रिक्त 13 सीटों के लिए 21 मार्च को चुनाव होना है। इसमें विधानसभा के सदस्य वोट देंगे। संख्या बल के लिहाज से सपा तीन सीटें आसानी से जीत सकती है।

जयंत व राजा भैया भी देंगे बीजेपी का साथ

समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका देते हुए जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने यूपी राज्यसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को समर्थन देने की घोषणा की। उत्तर प्रदेश विधानसभा में जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के दो विधायक हैं जिनमें खुद राजा भैया भी शामिल हैं। राजा भैया ने लोक भवन में एनडीए विधायकों की बैठक में भाग लिया जहां विधायकों को मंगलवार के चुनाव में मतदान के संबंध में निर्देश दिए गए।

'अकबरनगर के लोगों को मिले घर'

सपा ने एलडीए द्वारा अकबनगर बस्ती को ढहाये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सपा प्रवक्ता ने कहा कि सरकार गरीबों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश की भी अवहेलना हो रही है। अदालत ने सबको घर देने को कहा है। पर प्रशासन अब तक उन्हे घर मुहैया नहीं करा पाया है और उन्हें उजाड़ रहा है। सरकार से अपील है की पहले सबके रहने का इंतजाम करे फिर आगे की कार्रवाई करे। उधर दूसरे दिन भी बुलडोजर की कार्रवाई जारी रही। सुबह से ही प्रशासन ने अयोध्या रोड को बैरिकेड कर बस्ती में सर्वे जारी रखा।

सांसद कार्ति के खिलाफ कोर्ट आदेश सुरक्षित

» चीनी वीजा मामले से जुड़े धन शोधन का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने चीनी वीजा मामले से जुड़े धन शोधन के मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम एवं अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने को लेकर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने ईडी की दलीलें सुनने के बाद आदेश 16 मार्च के लिए सुरक्षित रख लिया। प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें कार्ति चिदंबरम, एस. भास्करररमन और कई कंपनियों के नामों सहित कई अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है।

कार्ति चिदंबरम ने पहले दिल्ली हाईकोर्ट में भी अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी, जहां ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने मौखिक रूप से कोर्ट को आासन दिया था कि मामला लंबित रहने तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आरोपी के खिलाफ कोई सामग्री नहीं : सिब्बल

आरोपी चिदंबरम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि आरोपी के खिलाफ कोई सामग्री नहीं है। इस मामले में धन शोधन का कोई मामला नहीं बनता है, क्योंकि ऐसा कोई आरोप नहीं है कि कार्ति चिदंबरम को कोई पैसा दिया गया हो। यदि पैसा नहीं है तो उसका शोधन नहीं किया जा सकता। फिर भी उन्होंने ईसीआईआर दर्ज कर लिया। आरोपी जांच में शामिल हो गया है और इसमें सहयोग कर रहा है। अधिवक्ता ने यह भी तर्क दिया था कि कथित लेनदेन वर्ष 2011 का है और ईडी ने मामला 2022 दर्ज किया है।

चुनाव के लिए अदालत का हस्तक्षेप शर्म की बात : उमर

» बोले- सभी समस्याओं की जड़ अनुच्छेद 370 नहीं था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि निर्वाचन आयोग के बजाय उच्चतम न्यायालय को जम्मू-कश्मीर में चुनाव के लिए निर्देश जारी करना पड़ा, जो 'काफी शर्म की बात' है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता ने कहा कि सही नहीं है कि जम्मू-कश्मीर की सभी समस्याओं की जड़ अनुच्छेद 370 था। उन्होंने कहा कि अब उन क्षेत्रों में आतंकवादी हमले हो रहे हैं, जो पूर्व में आतंकवाद मुक्त हुआ करते थे।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में विशेष रूप से जम्मू, राजौरी और पुंछ के पर्वतीय क्षेत्र शामिल हैं। यहां एबीपी नेटवर्क के आइडियाज ऑफ इंडिया शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण में उन्होंने दावा किया कि अतीत की तुलना में वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान घाटी में लक्षित हमलों में अधिक कश्मीरी पंडित मारे गए हैं। अब्दुल्ला ने पूछा, न्यायालय द्वारा तय की गई समयसीमा पर भारत सरकार क्या करने जा रही है? अदालत ने कहा था कि सितंबर के अंत तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, यह बेहद शर्म की बात है कि जम्मू-कश्मीर में चुनावों की घोषणा निर्वाचन आयोग या भारत सरकार के बजाय उच्चतम न्यायालय को करनी पड़ी।

कुछ लोग बिगाड़ रहे बंगाल का माहौल: नुसरत

» संदेशखाली विवाद पर टीमएसी सांसद ने तोड़ी चुप्पी, ममता बनर्जी का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। संदेशखाली विवाद को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार विपक्षी पार्टियों के निशाने पर है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और स्थानीय लोगों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब तक चुप्पी साध रखी है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां ने इस मुद्दे पर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने बंगाल भाजपा पर जमकर हमला बोला।

नुसरत जहां ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ममता बनर्जी का सपोर्ट करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार शांति बनाए रखने के लिए सभी ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने संदेशखाली को लेकर राजनीति ना करने की सलाह भी दी। तृणमूल सांसद ने अपने पोस्ट में अखबार की एक कटिंग भी शेयर की है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि एक महिला और एक जन प्रतिनिधि के रूप में मैंने हमेशा अपनी पार्टियों के दिशा-निर्देशों का पालन करने के साथ-साथ लोगों की सेवा की है। संदेशखाली घटना के उग्र होने पर हमारी मुख्यमंत्री ने पहले ही मदद भेज दी है और लोगों के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हम कानून से ऊपर नहीं हैं, इसलिए इसका पालन करना और प्रशासन का समर्थन करना ही जरूरी है। उन्होंने आगे लिखा कि मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में खुशी के समय, मुसीबत के समय में लोगों की सच्ची सेवा की है। मैं अपनी पार्टी के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करती हूं और मेरा मानना है कि हमें राज्य सरकार और प्रशासन पर भरोसा रखना चाहिए। जो गलत है उसकी हमेशा निंदा की जाएगी। बशीरहाट लोक सभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली सांसद ने लिखा कि हमें एक- दूसरे को निशाना बनाने से बचना चाहिए और शांति बनाए रखने में एक साथ मदद करनी चाहिए, ना कि हंगामा करना चाहिए। लोगों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हमें एक- दूसरे को निशाना बनाने से बचना चाहिए

राजनीति बंद करो

नुसरत जहां ने आखिर में लिखा कि बाकी कौन किसके बारे में क्या कहता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जैसा कि मैंने पहले कहा था। मैं फिर से दोहराऊंगी राजनीति बंद करो। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना स्थित संदेशखाली में टीएमसी के नेता शाहजहां शेख और उसके समर्थकों पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। इन आरोपों के बाद से शाहजहां शेख से फरार है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय संदर्भों को सार्वजनिक किए जाने की मांग

» ट्रस्ट के वेबसाइट पर घोर अपारदर्शिता

» ट्रस्ट के आय, व्यय व अन्य वित्तीय स्थितियों के संबंध में कोई तथ्य नहीं दिए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने श्रीराम जन्मभूमि स्थल के प्रबंधन के लिए सृजित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय संदर्भों से जुड़े अभिलेखों को सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भेजे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट को भारत सरकार ने अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व दिया है जिसके तहत उन्हें भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनेक प्रकार की सहूलियत और छूट दी गई है।

इसके विपरीत ट्रस्ट के वेबसाइट पर घोर अपारदर्शिता है और इसमें ट्रस्ट के

आजाद अधिकार सेना ने ट्रस्ट के महासचिव को भेजा पत्र

आय, व्यय व अन्य वित्तीय स्थितियों के संबंध में कोई तथ्य नहीं दिए गए हैं। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण ट्रस्ट में इस प्रकार की अपारदर्शिता लोकहित में नहीं है। अत: उन्होंने ट्रस्ट को तत्काल समस्त आवश्यक वित्तीय आदान-प्रदान के तथ्यों को वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि 15 दिनों में उक्त कार्रवाई नहीं होती है तो वे इस प्रकरण को सक्षम फोरम पर ले जाएंगे।

मिलेगा यूपी का साथ, आसान होगी चुनावी राह

सभी सियासी दलों की निगाह 80 सीटों पर

बीजेपी को एकबार फिर राम मंदिर का सहारा

» कांग्रेस-सपा न्याय यात्रा से जनता जुड़ेगी

» राहुल-प्रियंका ने पश्चिम में भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों की तारीखों की सुगबुगाहट के बीच यूपी में सियासत भी अंगड़ाई ले रही है। जहां सत्ता पर काबिज बीजेपी राम मंदिर के सहारे वोटरों को रिझाने में लगी है तो कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सहारे लोगों को एक बार फिर अपनी ओर जोड़ने के प्रयास में लगी हुई हैं। सपा और बसपा समेत यूपी के सभी दल अब अपने कील-कांटे दुरुस्त करने में लगे हैं। हालांकि इनसब के बीच विभिन्न पार्टियों के नेताओं के छोड़ने का सिलसिला भी जारी हो गया है। जहां बसपा के कई सांसद बीजेपी व सपा में अपना ठौर बना चुके हैं। वहीं बहुत सी छोटी पार्टियां बड़े दलों के पीछे चलने को भी आतुर हैं। उधर नेताओं की रैली व यात्राओं में भी अपार जनसमूह जुट रहा है। पश्चिम यूपी में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे ही अपनी डिफेंडर कार की छत पर सवार हुए। पूरा जमालपुर इलाका नारों से गूंज उठा। इस कदर स्वागत सत्कार हुआ कि दोनों भाई बहन अभिभूत हो गए। फिर जो रोड शो शुरू हुआ तो उन्होंने भी लोगों से मिलने या जुड़ने में कोई कंजूसी नहीं की। लोगों से हाथ मिलाए, उनकी बात सुनी। बच्चों को अपने पास बुलाकर दुलाकर संवाद किया। प्रियंका महिलाओं से अभिवादन करती रहीं। जब संबोधन की बारी आई तो उन्होंने जमकर मुद्दे उछाले। लोगों को समझाने का प्रयास किया।

बेशक राहुल-प्रियंका बहुत सधे हुए अंदाज में बोले। उन्होंने देश के हर उस ज्वलंत मुद्दे का जिक्र किया, जिसे मौजूद भीड़ सुनना चाह रही थी। लेकिन किसी स्थानीय मुद्दे का जिक्र नहीं हुआ। स्थानीय किसी बात पर दोनों ने जुड़ने का प्रयास नहीं किया। हां, प्रियंका ने जरूर यह कहकर याद दिलाया कि दो वर्ष पहले वे यहां आई थीं। आप लोगों ने रात के अंधेरे में जमा होकर उनसे मुलाकात की थी और स्वागत किया था। मगर किसी स्थानीय समस्या पर कोई बात किए बिना उन्होंने जाति, धर्म, देश, रोजगार, किसान, महंगाई आदि पर पूरी बात कही। जिस पर लोगों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया देते हुए उनकी ओर से उछाले गए सवालों के जवाब दिए और ताली बजाकर समर्थन किया। यात्रा का समय सुबह साढ़े आठ बजे दिया गया था। सुबह से ही लोगों का जुटना शुरू हो गया था। हालांकि इस पूरे रोड पर व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं, जो खुले भी नहीं थे। मगर लोग गलियों के मुहाने पर, घरों की छतों पर खड़े होकर उन्हें देखने के लिए उतावले थे। लोगों में गजब का उत्साह था। दोनों के आने के बाद यात्रा करीब पौने दस बजे शुरू हुई। सबसे आगे मीडिया की गाड़ियां, फिर सेवादल की टोली चल रही थी। इनके पीछे स्थानीय नेताओं की टोली पैदल नारेबाजी करती चल रही थी। इसके बाद सुरक्षा घेरे में राहुल-प्रियंका की कार थी, जिसकी छत पर दोनों भाई बहन के अलावा विधायक अराधना मिश्रा मोना, प्रदेशाध्यक्ष अजय राय, हरियाणा के वरिष्ठ नेता दीपेंद्र हुड्डा सवार थे। जब किसी से सीधे नजर मिलती तो दोनों इशारा कर उसे अपने पास बुलाते। उससे हाथ मिलाते, साथ में फोटो खिंचवाते और दो बात भी करते। इसके बाद उसे अपना कार्ड देकर विदा करते। रोड शो के दौरान राहुल-प्रियंका का काफिला एएमयू के सेंचुरी गेट के सामने से गुजरा। हालांकि इसे लेकर कुछ घंटे पहले काले झंडे दिखाने की चर्चा आई थी। मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। छात्र नेता आरिफ त्यागी की अगुवाई में खड़ी छात्रों की भीड़ ने नारेबाजी कर स्वागत किया। आरिफ ने माइक से राहुल-प्रियंका को रोकने का इशारा किया। अनुरोध किया कि वे उनके परिवार की एक तस्वीर भेंट करना चाहते हैं। इस पर उन्होंने आरिफ को अपने पास बुलाकर तस्वीर ली और आरिफ से माहौल पर बात की। कहा कि सब कैसा चल रहा है। आप क्या करते हैं। इसके बाद फिर आगे चल पड़े। यात्रा के दौरान जमालपुर इलाके के ही शिक्षित नौजवान मो.आजम ने चिल्लाकर कहा कि राहुल जी आपसे बात करना चाहते हैं। इस पर राहुल ने उसे अपने पास बुलाया और पूछा क्या कहना है। आजम ने कहा कि हमें देश को मौजूदा हालात से बचाना है। हम आपके साथ हैं। राहुल ने आजम की पीठ ठोंकी और आगे बढ़ने का संदेश दिया।

पीडीए समीकरण साधेगी सपा

यूपी विधान परिषद चुनाव में सपा पीडीए समीकरणों को साधने का पूरा प्रयास करेगी। पार्टी मुस्लिम, कुर्मी, गुर्जर और धोबी समाज के नेताओं को मौका दे सकती है। इसके लिए पार्टी ने होमवर्क करीब-करीब पूरा कर लिया है। स्थितियां अनुकूल रहीं तो अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल को भी मौका मिल सकता है, बशर्ते वे सपा के सिंबल पर प्रत्याशी बनने को तैयार हों। सूत्रों के मुताबिक, फिरोजाबाद के एक मुस्लिम नेता को मौका मिल सकता है। राज्यसभा प्रत्याशी रामजीलाल सुमन भी फिरोजाबाद के ही रहने वाले हैं। इन मुस्लिम नेता को साधने से सपा को लोकसभा चुनाव में फायदा होने की उम्मीद है। एक कुर्मी नेता को मौका देने पर भी सहमति बन चुकी है। पश्चिमी यूपी में गुर्जरों को साधने का दांव भी सपा चल सकती है। गुर्जर समाज के एक पूर्व विधायक के नाम पर भी विचार चल रहा है। लोहिया वाहिनी से जुड़े एक दलित नेता को भी मौका मिल सकता है। बता दें, विधान परिषद की रिक्त 13 सीटों के लिए 21 मार्च को चुनाव होना है। इसमें विधानसभा के सदस्य वोट देंगे। संख्या बल के लिहाज से सपा तीन सीटें आसानी से जीत सकती है।

ममता के गढ़ में सपा की एंट्री तो यूपी में आएगी टीएमसी

उत्तर प्रदेश में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की एंट्री हो गई है। समाजवादी पार्टी ने टीएमसी को भदोही सीट ऑफर की है। बदले में टीएमसी सपा को पश्चिम बंगाल में एक सीट दे सकती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरण मय नंदा ने भदोही सीट पर तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी ललितेश पति त्रिपाठी को उम्मीदवार बनाए जाने की पुष्टि की है। सपा और कांग्रेस के बीच यूपी में सीट शेयरिंग को लेकर पहले ही बात बन चुकी है. कांग्रेस राज्य की 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इससे पहले गठबंधन को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बात सपा प्रमुख अखिलेश यादव से की थी। हालांकि, ममता बनर्जी ललितेश को यूपी की चंदौली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने की कोशिश में थीं। वहीं, त्रिपाठी ने भी हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी और इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की थी। ममता चाहती थीं कि ललितेश, कमलापति त्रिपाठी की विरासत संभालें और उन्हें लोकसभा चुनाव चंदौली से लड़ाया जाए, चंदौली ललितेश पति त्रिपाठी के दादा और दिग्गज कांग्रेसी

नेता कमलापति त्रिपाठी की कर्मभूमि रही है और यहां के लोग आज भी उनका नाम बड़े आदर से लेते हैं। ललितेश की दादी चंद्रकला त्रिपाठी भी चंदौली से सांसद रही थीं। इसलिए ममता बनर्जी की कोशिश थी कि ललितेश भी चंदौली से चुनाव लड़ें। ललितेश पति त्रिपाठी फिलहाल यूपी में टीएमसी के नेता हैं। इससे पहले वह कांग्रेस में थे. ललितेश प्रियंका गांधी के करीबी रहे हैं। वह कांग्रेस छोड़ टीएमसी में शामिल हो गए थे. ललितेश ने मिर्जापुर से विधायक रह चुके हैं, इसके अलावा उन्होंने 2014 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। हालांकि, उन्हें हार का सामना कर पड़ा।

मुस्लिमों को रिझाने के लिए भाजपा उर्दू और अरबी में करेगी प्रचार

लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी लगातार अपनी रणनीति को और मज़बूत करती जा रही है। पार्टी की नजर हर तबके के वोट को जोड़ने की है। इसी कड़ी में बीजेपी ने मुस्लिमों को रिझाने के लिए नया कदम उठाया है। इसके तहत वो अब यूपी की मस्जिदों और मदरसों में भी चुनाव प्रचार करेगी। रणनीति के तहत इन जगहों पर अब उर्दू और अरबी भाषा में प्रचार किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी आज से मुस्लिमों को लेकर अपने नए अभियान को शुरुआत करेगी। इसके लिए बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चे को खास जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी उर्दू और अरबी भाषा में चुनाव प्रचार करेगी। जिसके लिए प्रदेश भर के मस्जिदों-मदरसों के आसपास उर्दू और अरबी भाषा में भाजपा के प्रचार अभियान किया जाएगा। इन इलाकों में उर्दू में फिर एक बार मोदी सरकार के पोस्टर लगाए जाएंगे। मुस्लिम समाज के बीच उर्दू साहित्य बांटा जाएगा। बीजेपी इस अभियान की शुरुआत आज राजधानी लखनऊ से करने जा रही है। दरगाह हजरत कासिम शाहिद से इस अभियान को शुरू किया जाएगा. योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात की पुस्तक का भी उर्दू भाषा में वितरण करने की तैयारी की गई है। बीजेपी के इस नए अभियान को लेकर अल्पसंख्यक मोर्चा का कहना है कि जिस तरह से केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे के साथ चल रही है उससे मुस्लिम समाज का भी भाजपा को समर्थन मिल रहा है। यहीं वजह है कि अब पार्टी की बात को अरबी और उर्दू में भी पहुँचाया जाएगा। ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग उसे समझ सके और कोई राय बना सकें। आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए बीजेपी को सभी समुदायों का समर्थन होना ज़रूरी है, बीजेपी पहले से ही यूपी में काफ़ी मज़बूत स्थिति में हैं लेकिन फिर भी कई ऐसी सीटें हैं जहां पर मुस्लिम वोटर अहम भूमिका निभाते हैं, ऐसे में उनका रुझान बीजेपी को मिशन 80 पर असर डाल सकता है, यही वजह है कि पार्टी ने अब अल्पसंख्यक वोटरों को साधने के लिए ये प्लान बनाया है।

राज्यसभा चुनाव में दिखेगा सियासी रसूख

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए समीकरण पल-पल बदल रहे हैं। अब जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता और कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने बड़ा फैसला किया है। लोकभवन में वोटिंग से एक दिन पहले हो रही ट्रेनिंग में पहुंचे राजा भैया ने कहा कि उनके दोनों विधायक भाजपा के प्रत्याशी को वोट करेंगे। सभी आठों प्रत्याशियों की जीत तय है। इसके अलावा राजा भैया, सोमवार शाम भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए के डिनर में शामिल होंगे। राजा भैया के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी बड़ा दावा किया। केशव मौर्य ने कहा है कि हमारी तैयारी पूरी है। हर हाल में आठ के आठ प्रत्याशी राज्यसभा में जाये जाएँगे। भाजपा सबका साथ, सबका विकास में भरोसा करती है। हालांकि राजा भैया के इस फैसले से समाजवादी पार्टी के लिए समीकरण बदल गए हैं। 403 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल समाजवादी पार्टी के 108, भारतीय जनता पार्टी के 252, निषाद पार्टी के 6, सुभासपा के 6, अपना दल एस के 13, राजा भैया की पार्टी के 2 , बसपा के 1 विधायक हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

क्या युवाओं के हित में नहीं है अग्निपथ योजना!

सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर पक्ष-विपक्ष दोनों ओर से राय आ रही ही। सत्ता से जुड़े लोग इसे देश व युवाओं के हित में बता रहे हैं तो विपक्ष इसे खतरनाक बता रहा है। हांलांकि इस योजना में अगर कई अच्छाइयां हैं तो बहुत सी खामियां भी हैं। सबसे बड़ी खामी तो यह है कि यह योजना कुछ ही वर्षों के लिए युवाओं को रोजगार देता है। पर सरकार का दावा है कि रिटायरमेंट के बाद भी युवा अन्य संस्थानों में रोजगार पा सकते हैं। साथ ही सेवानिवृत्त के बाद इतनी धनराशि भी मिलेगी कि वह उससे स्वरोजगार भी कर सकता है। परंतु सरकार को ये भी सोचना चाहिए कि जिस देश में बेरोजगारी चरम पर हो ऐसे में ये योजना कितनी कारगर साबित होगी। सरकार एकबार इस योजना की पुन: समीक्षा करनी चाहिए। खैर कुल मिलाकर इस योजना के सभी पहलुओं को आम लोगों के बीच चर्चा में लाकर इस योजना को लागू किया जाना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि जून 2022 में लाई गई अग्निपथ योजना पर बात करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना के हित में नहीं है, उन्होंने कहा, डेढ़ से 2 लाख तक युवा हैं जिनका सेना में भर्ती के लिए चयन तो हुआ लेकिन वो भर्ती नहीं हो पाए क्योंकि अचानक ही सरकार अग्निपथ योजना ले आई थी।

“ सरकार एकबार इस योजना की पुन: समीक्षा करनी चाहिए। खैर कुल मिलाकर इस योजना के सभी पहलुओं को आम लोगों के बीच चर्चा में लाकर इस योजना को लागू किया जाना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि जून 2022 में लाई गई अग्निपथ योजना पर बात करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना के हित में नहीं है, उन्होंने कहा, डेढ़ से 2 लाख तक युवा हैं जिनका सेना में भर्ती के लिए चयन तो हुआ लेकिन वो भर्ती नहीं हो पाए क्योंकि अचानक ही सरकार अग्निपथ योजना ले आई थी।

सचिन पायलट ने कहा, हमारी मांग है कि अग्निपथ योजना पर पुनर्विचार किया जाए और जिन युवाओं का अंतिम चरण तक चयन हो गया था सिर्फ रिक्रूटमेंट बचा था उन्हें सेना में भर्ती किया जाए। उन्होंने कहा, हम अपने मेनिफेस्टो में यह शामिल करेंगे कि अगर हम सत्ता में आए तो भारतीय सेना में रिक्रूटमेंट की जो पुरानी व्यवस्था थी उसे फिर से बहाल किया जाए। इस दौरान सचिन पायलट ने भारत में 5प्रतिशत गरीबी स्तर पर नीति आयोग के सीईओ के बयान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, यह आंकड़ों का खेल है। जमीन पर जो सच्चाई और तथ्य हैं वो अलग नजर आते हैं। देश में अमीरों और गरीबों के बीच खाई बढ़ गई है। अग्निपथ योजना में सैनिकों को केवल 4 साल के लिए सेना में भर्ती होने का मौका मिलेगा। चार साल की अपनी सेवा के बाद अग्निपथ योजना से सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों को रिटायरमेंट पर लगभग 12 लाख रुपये मिलेंगे। इससे अग्निवीर भविष्य में खुद के लिए कोई भी काम कर सकते हैं. अग्निपथ योजना के तहत साढ़े 17 से 21 वर्ष तक की आयु के युवा सैनिक में चार साल के लिए भर्ती हो सकते हैं। साथ ही इस योजना के तहत हर बैच से 25 प्रतिशत को 15 और अधिक वर्षों के लिए बनाए रखने की योजना है। यह योजना अब भी विवादों में बनी हुई है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मनुष्य का विवेक धूमिल होता है गलतफहमी से

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

कभी बुजुर्गों से सुना था कि गलतफहमी और शक ऐसी बीमारियां हैं, जिनका इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं था। तात्पर्य यह है कि गलतफहमी और शक ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियां हैं, जो अच्छे-भले आदमी का दिमाग खराब कर देती हैं और आदमी अपने विवेक को खो देता है।

एक शायर ने गलतफहमी को लेकर बड़ा ही मौजू शेर कहा है:-

'फासले बढ़े, तो गलतफहमियां और भी बढ़ गईं,
फिर उसने वो भी सुना, जो मैंने कभी कहा ही नहीं।'

मनोविज्ञान के विद्वान कहते हैं—'रिश्ते अक्सर अहंकार और गलतफहमी के कारण टूटते हैं, क्योंकि अहंकार सच सुनने नहीं देता और गलतफहमी सच देखने नहीं देती।' आज हमारे समाज में गलतफहमी की यह नकारात्मक प्रवृत्ति निरंतर बढ़ रही है और जरा-जरा सी बात पर हम अपने रिश्तों को तोड़ने पर आमादा हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति का परिणाम यह होता है कि समाज में अवसाद के साथ नैराश्य और अकेलापन घेर लेता है। आज इसी गलतफहमी पर एक बहुत ही प्रेरक और अर्थपूर्ण बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो अपने जिज्ञासु पाठकों से साझा कर रहा हूं।

'एक समय की बात है एक सन्त प्रात: काल भ्रमण हेतु समुद्र के तट पर पहुंचे। समुद्र के तट पर उन्होंने एक पुरुष को देखा, जो एक स्त्री की गोद में सिर रखकर बेसुध सोया हुआ था! उसके पास ही शराब की एक खाली बोतल पड़ी हुई थी। यह देखकर वे सन्त बहुत दुखी हुए। उन्होंने विचार किया कि यह मनुष्य कितना तामसिक और विलासी है, जो प्रात: काल शराब पी कर, स्त्री की गोद में सिर रखकर प्रेमालाप कर रहा है। थोड़ी देर बाद ही समुद्र से 'बचाओ, बचाओ' की आवाज आई। उन सन्त ने देखा कि एक मनुष्य समुद्र में डूब रहा है। मगर स्वयं तैरना नहीं जानने के कारण उस समय सन्त देखते रहने के अलावा कुछ और नहीं कर सकते थे, इसलिए चुपचाप खड़े रहे। तभी उन्होंने देखा कि स्त्री की गोद में सिर रखकर कुछ देर पहले सोया हुआ व्यक्ति उठा और डूबने वाले व्यक्ति को बचाने हेतु पानी में कूद गया।

थोड़ी देर में उस व्यक्ति ने डूबने वाले को बचा लिया और सकुशल

किनारे पर ले आया। अब तो वे सन्त सोच-विचार में पड़ गए कि इस व्यक्ति को 'बुरा' कहें या 'भला' कहें। संत उस व्यक्ति के पास गए और बोले, 'भाई! तुम कौन हो और यहां क्या कर रहे हो?' उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'मैं एक मछुआरा हूं और मछली पकड़ने का काम करता हूं। आज कई दिनों बाद समुद्र से मछली पकड़ कर प्रात: जल्दी यहां लौटा हूं। मेरी मां मुझे लेने के लिए आई थी और घर में कोई दूसरा बर्तन नहीं होने के कारण इस शराब की बोतल में मेरे लिए पानी लाई थी। कई दिनों की समुद्र-यात्रा से मैं थका हुआ था और सुबह के सुहावने वातावरण में ये पानी पी कर, थकान कम करने के लिए अपनी मां की गोद में सिर रख कर, ऐसे ही सो गया था। जब डूबते व्यक्ति की आवाज सुनी, तो उसे बचाने समुद्र में कूद पड़ा। यह सब जानकर सन्त की आंखों में आंसू आ गए। वे सोचने लगे, 'मैं कैसा पापी मनुष्य हूं। जो मैंने देखा, उसके बारे में मैंने कितना गलत विचार बनाया, जबकि वास्तविकता तो बिल्कुल अलग ही थी।' वे समझ चुके थे कि कोई भी बात, जो हम देखते हैं, वह हमेशा जैसी दिखती है, वैसी ही नहीं होती है। उसका एक दूसरा पहलू भी हो सकता है। इसलिए किसी के प्रति कोई निर्णय लेने से पहले सौ बार सोचना चाहिए और तब फैसला करना उचित होता है। गलतफहमी में लिया गया फैसला आदमी को लज्जित कर देता है और आदमी पछताने के सिवा कुछ नहीं कर पाता।'संत कबीर ने तो सदियों पहले हमें खूब ठोक-पीट कर समझाया था:-

'करता था तो क्यों किया,
अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का,
आम कहां से खाय।'

आज की आवश्यकता यह है कि हम अपनी सारी नकारात्मक ऊर्जा को दूर फेंककर, सकारात्मक चिंतन को अपनाएं और समाज में फैलते जा रहे गलतफहमी के रोग से लड़ने का प्रयास करें। सच यह है कि पछतावे की आग की जलन वास्तविक आग से भी ज्यादा कष्ट देती है। आइए, हम संकल्प लें कि किसी के प्रति गलत विचार बनाने से पहले सौ बार सोचेंगे अवश्य, ताकि हमें पछताना न पड़े।

फलस्तीनियों के पक्ष में सांस्कृतिक प्रतिरोध

पुष्परंजन

इस बार भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता सुनील संजगिरी ने बर्लिन में चल रहे 74वें फिल्म महोत्सव 'बर्लिनाले' का बहिष्कार कर दिया। 15 से 25 फरवरी, 2024 तक आयोजित 'बर्लिनाले' में संजगिरी गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित पुर्तगाली साम्राज्य के खिलाफ उपनिवेशवाद-विरोधी प्रतिरोध के बारे में अपनी फिल्म प्रदर्शित करने के लिए आये हुए थे, लेकिन बर्लिनाले का माहौल देखकर उन्हें लगा कि प्रीमियर ऐसे असहज वातावरण में न ही करायें तो बेहतर। संजगिरी की फिल्म पुर्तगाली उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत और अफ्रीका में साझा संघर्ष की कहानियां उकेरती हैं, जो 1960 से सत्तर के दशक में दोनों महाद्वीपों के बीच विकसित हुई एकजुटता को उजागर करती है।

इंस्टाग्राम पर संजगिरी ने जर्मन अधिकारियों पर गाजा में युद्ध में फलस्तीनियों के समर्थन बोलने वाली आवाजों को चुप कराने का आरोप लगाया। इंस्टा पर सुनील संजगिरी का संदेश था, 'मैं सहभागी नहीं बनूंगा। यहां सभी के हाथ खून से सने हैं।' लेकिन एक्टर मनोज वाजपेयी, 'सबसे भले वो मूढ़ जिन्हें न व्यापे जगत गति' की मुद्रा में अपनी फ़िल्म 'द फेबल' की स्क्रीनिंग में व्यस्त दिखे। बर्लिनाले फिल्म फेस्टिवल मैंने लगातार पांच साल कवर किये। दो कैटेगरी के फिल्मकार व कलाकार यहां जुटते हैं, एक जिन्हें ग्लैमर वर्ल्ड और बॉक्स आफिस में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होती है, और दूसरे वो लोग जो दुनिया में दमन-उत्पीड़न व भेदभाव से सरोकार रखते हुए प्रतिरोध जताते हैं। बर्लिन बहिष्कार की घोषणा करते हुए संजगिरी ने 'स्ट्राइक जर्मनी' अभियान को समर्थन व्यक्त किया, जो जनवरी में गुमनाम कलाकारों द्वारा शुरू की गई एक पहल थी, जिसमें फिल्म निर्माताओं, संगीतकारों, लेखकों और कलाकारों से जर्मनी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दूर रहने का आह्वान किया गया था। आयोजकों ने लिखा, 'यह जर्मन सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा मैककार्थीवादी नीतियों के उपयोग को अस्वीकार करने का आह्वान है जो विचारों की स्वतंत्रता, विशेष रूप से फलस्तीन के साथ एकजुटता की अभिव्यक्ति को दबाते हैं।'

बर्लिनाले में भी लगभग 1,600 कलाकारों ने 'स्ट्राइक' के समर्थन में साइन अप किया है, जिसमें फ्रांसीसी नोबेल पुरस्कार विजेता एनी एर्नाक्स भी शामिल हैं। पिछले महीने, बर्लिन के सीटीएम संगीत समारोह ने 'स्ट्राइक जर्मनी' के साथ एकजुटता दिखाते हुए कई कलाकारों की वापसी की घोषणा की। आलोचकों का कहना है कि सरकार ने इस्राइल की किसी भी आलोचना को रोकने के लिए अपनी वित्तीय शक्ति का इस्तेमाल किया है। लेकिन जर्मन सरकार ने इन आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर चुकी है। जर्मन संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'कला की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी जर्मनी में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है जो निश्चित रूप से संघीय सरकार द्वारा संरक्षित है।' गत 7 अक्टूबर, 2023 को हमास अतिवादियों के हमले के बाद से यूरोपभर में यहूदी समर्थक बनाम यहूदी विरोधी विवाद भड़क उठे हैं। यूरोपीय ब्रॉडकास्टिंग यूनियन ने इस्राइल को यूरोविजन सांग प्रतियोगिता से बाहर करने की मांग का विरोध किया है। अक्टूबर, 2023 में एक फलस्तीनी लेखक का पुरस्कार स्थगित होने के बाद सैकड़ों अंतर्राष्ट्रीय लेखकों ने फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले की निंदा की। नवंबर में, यूरोप की सबसे महत्वपूर्ण कला प्रदर्शनियों में से एक, 'डॉक्यूमेंटा' की पूरी चयन समिति ने इस्राइल-हमास संघर्ष पर विवादों के बाद इस्तीफा दे दिया।

यह दीगर और दिलचस्प है कि सुनील संजगिरी के बहिष्कार से ज्यादातर भारतीय फिल्मकारों ने दूरी बनाये रखी है। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास भी इस विवाद में पड़ना नहीं चाहता। जर्मनी में भारत के राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने '2024-बर्लिनाले में इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया। उनके साथ मनोज बाजपेयी, यूरोपीय फिल्म मार्केट के निदेशक डेनिस रुह और टैगोर सेंटर की निदेशक तृषा सकलेचा भी मौजूद थीं। मनोज बाजपेयी ने एक्स पर इवेंट की कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सिनेमाई सहयोग को बढ़ावा देने वाले जर्मनी में भारत के राजदूत हरीश पर्वथानेनी के साथ बर्लिन में इंडिया पवेलियन में उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

गाजा हमले के हवाले से फरवरी के शुरू में इतालवी शहर नेपल्स में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जब सरकारी प्रसारक 'आरएआई' ने लोकप्रिय सैनरेमो संगीत समारोह की समापन के दौरान रैपर घाली द्वारा 'नरसंहार को रोकने' की अपील से खुद को दूर कर लिया। ब्रिटेन में, कलाकारों का एक नेटवर्क उन घटनाओं का दस्तावेज तैयार कर रहा है, जो कलाकारों के फलस्तीन समर्थक विचारों के कारण बहिष्कृत कर दी गई थीं। ब्रिस्टल में अर्नोल्फिनी आर्ट गैलरी ने भी दो फलस्तीनी फिल्म कार्यक्रमों को रद्द करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की, कि यह गलत हो रहा है। नवंबर, 2023 में फ्रांसीसी कलाकारों के एक समूह ने एक 'मूक मार्च' का आयोजन किया, जहां उन्होंने बिना किसी नारे के एक सफेद बैनर लगा रखा था। पिछले महीने, बर्लिन के सीटीएम संगीत समारोह ने 'स्ट्राइक' जर्मनी के साथ एकजुटता दिखाते हुए कई कलाकारों को वापस बुला लेने की घोषणा की। शाई हॉफमैन इस्राइली-जर्मन यहूदी है, और योआन्ना हसन जर्मन-फलस्तीनी। 7 अक्टूबर, 2023 को इस्राइल में हमास द्वारा और उसके प्रकारांतर गाजा में इस्राइली हमले के बाद, हॉफमैन ने 'टिनी स्पेस प्रोजेक्ट' लॉन्च किया।

पवनमुक्तासन

इस योगासन को करने के लिए पीठ के बदल लेट कर सांस लें। अब एक पैर के घुटने को मोड़ते हुए दोनों हाथों की उंगलियों को एक दूरे में डालकर घुटने को पेट से सटा लें। सांस छोड़ते हुए सिर को ऊपर उठाएं और घुटने को नाक पर लगाएं। 10 सेकेंड तक सांस रोककर इसी अवस्था में रहें और बाद में पैरों को सीधा कर लें। दूसरे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया करें।

साइनस की समस्या में करें ये योगासन

साइनस के मरीजों की मौसम बदलने पर दिक्कत बढ़ जाती है। वहीं सर्दियों के मौसम में साइनस के मरीजों पर अधिक भारी पड़ जाता है। साइनस इन दिनों आम समस्या हो गई है, जिस में सूजन, सर्दी जुकाम, एलर्जी, नाक के भीतर पड़ने वाला फोड़ा, बलगम, सिर दर्द और आवाज में बदलाव जैसी स्थिति बन जाती है। इस बीमारी में दवाइयां लेने के बाद भी जल्दी साइनस की समस्या से राहत नहीं मिलती। ऐसे में साइनस के उपचार के लिए योगासन एक बेहतरीन विकल्प है। योगासन की सहायता से साइनस की बीमारी से राहत पाई जा सकती है। योग कई बीमारियों से बचाव, उसके इलाज और रोगों के जोखिम को कम करता है। अलग अलग तरह की समस्या के लिए कई तरह के योगाभ्यास को अपनाया जा सकता है। इसी तरह साइनस की समस्या से राहत के लिए कुछ योगासन लाभदायक हैं।

पश्चिमोत्तानासन

साइनस की समस्या से राहत पाने के लिए पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास करें। इसके लिए सीधा बैठ जाएं और दोनों पैरों को फैलाकर एक सीध में एक दूसरे से सटाकर रखें। फिर दोनों हाथों को ऊपर की ओर ले जाएं और अपनी कमर बिलकुल सीधी रखें। झुक कर दोनों हाथों से पैरों के अंगूठे को पकड़ें। इस दौरान आपके घुटने मुड़े नहीं और पैर जमीन पर सटे रहें। इस आसन से सिर दर्द में भी आराम मिलता है। इसके अलावा यह आसन पीठ और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। हैमस्ट्रिंग को लंबा करता है। कमर और पेट की चर्बी को कम करता है। शरीर का वज़न कम करता है। कमर दर्द को दूर करता है। शरीर को लचीला बनाता है। मधुमेह रोग़ की रोकथाम और प्रबंधन को सुनिश्चित करता है। पाचन तंत्र को मजबूत करता है जिससे कब्ज और गैस की समस्या दूर होती है। इस आसन का अभ्यास गुर्दे, यकृत के भी लिए अच्छा है।

उत्तानासन

साइनस की समस्या से छूटकारा पाने के लिए उत्तानासन का अभ्यास करें। इस आसन को करने के लिए सीधा खड़े हो जाएं और लंबी सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठा लें। फिर आगे की ओर झुके और दोनों हाथों से जमीन को छुएं। घुटने सीधे रखें। कुछ देर इसी पोजीशन में रहें, फिर हाथ ऊपर ले जाते हुए सांस छोड़ें और सामान्य अवस्था में खड़े हो जाएं। इसके अलावा यह आसन आपके लोअर बैक पर काम करता है। आपकी थकी हुई और तंग मांसपेशियों के लिए अच्छा साबित होता है। यह कंधो को खोलने के लिए अच्छा आसन है। इसमे आप आगे की तरफ झुके हुए होते है। जो लोग बाइसेप्स बनाना चाहते हैं उन्हें यह आसान जरूर करना चाहिए।

हलासन

साइनस की समस्या से राहत पाने के लिए हलासन का अभ्यास करें। हलासन का अभ्यास करने के लिए जमीन पर पीठ के बल लेटकर दोनों हाथों को सीधा जमीन पर रखें। धीरे धीरे सांस छोड़ते हुए दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। अब पैरों को पीछे की ओर सीधे जमीन पर झुकाकर पंजों को जमीन से सटाकर रखें। अपना सिर सीधा रखें। इस स्थिति में दो से तीन मिनट तक रहें, बाद में सामान्य अवस्था में आ जाएं। इसके अलावा पाचन प्रणाली और प्रजनन प्रणाली को मजबूत बनाता हैं। पेट पर जमी अतिरिक्त चर्बी को कम करता हैं। वजन कम करने में सहायक हैं।

हंसना मना है

वाईफ टीवी पर मॅच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोरसे चिल्लाई, छक्का!

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा: क्यों टेंशन मे हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हुं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा: वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा: आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

कहानी — ब्राह्मण, चोर और दानव

एक गांव में द्रोण नाम का ब्राह्मण रहता था। वह बहुत गरीब था। न उसके पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े थे और न ही कुछ खाने को था। ब्राह्मण जैसे-तैसे भिक्षा मांगकर अपना गुजारा कर रहा था। उसकी गरीबी को देखकर एक यजमान को उस पर दया आ गई। उसने द्रोण को बैलों का एक जोड़ा दान में दे दिया। बैलों को गौधन मानकर ब्राह्मण द्रोण उनकी सेवा पूरी लगन के साथ करने लगा। उसे बैलों से इतना प्रेम था कि वो खुद कम खाता था, लेकिन बैलों को भरपेट खिलाता था। ब्राह्मण की सेवा पाने के बाद दोनों बैल तंदुरुस्त हो गए। एक दिन हटेकट्टे बैलों पर चोर की नजर पड़ गई। बैलों को देखते ही चोर ने मन-ही-मन बैलों को चुराने की योजना बना ली। योजना बनाने के बाद रात होते ही चोर ब्राह्मण के घर बैल चुराने के इरादे निकल गया। कुछ दूर चलते ही चोर का सामना एक भयानक राक्षस से हुआ। राक्षस ने चोर से पूछा, तुम इतनी रात को कहां जा रहे हो? चोर ने कहा, मैं ब्राह्मण के बैल चोरी करने जा रहा हूं। चोर की बात सुनकर राक्षस बोला, चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं। मैं कई दिनों से भूखा हूं। मैं उस ब्राह्मण को खाकर अपनी भूख शांत करूंगा और तुम उसके बैल ले जाना। चोर के मन में हुआ कि रास्ते के लिए एक साथी भी हो जाएगा, तो इसे साथ ले जाने में कोई बुराई नहीं है। यह सोचकर चोर अपने साथ राक्षस को साथ लेकर ब्राह्मण के घर पहुंचा। ब्राह्मण के घर पहुंचकर राक्षस बोला, पहले मैं ब्राह्मण को खा लेता हूं, उसके बाद तुम बैल चुरा लेना। चोर ने कहा, नहीं, पहले मैं बैल चुराउंगा उसके बाद तुम ब्राह्मण को खाना। अगर तुम्हारे आक्रमण से ब्राह्मण जाग गया, तो मैं बैल चुरा नहीं पाऊंगा। फिर राक्षस बोला, जब तुम बैल खोलोगे, तो उसकी आवाज से भी ब्राह्मण जागकर अपनी रक्षा कर सकता है। मैं इस चक्कर में भूखा रह जाऊंगा। राक्षस और चोर दोनों इसी तरह बहस करते रहे। एक दूसरे कि बात मानने को उनमें से कोई तैयार नहीं था। उसी बीच राक्षस और चोर की आवाज सुनकर ब्राह्मण जाग गया। ब्राह्मण को जागा देखकर जल्दी से चोर बोला, हे! ब्राह्मण देखो यह राक्षस आपको खाने आया है, लेकिन मैंने इससे आपको बचा लिया। इसने कई बार आपको खाने की कोशिश भी की पर मैंने ऐसा होने नहीं दिया। चोर की बात सुनकर राक्षस ने भी तुरंत कहा, नहीं ब्राह्मण, मैं आपको खाने नहीं, बल्कि आपके बैलों की रक्षा करने के लिए यहां आया हूं। यह चोर आपके बैल चुराने आया था। दोनों की बात सुनकर ब्राह्मण को शक हुआ। खतरे को भांपते हुए ब्राह्मण ने फटाफट डंडा उठाया और दोनों को भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको बड़ों की बातों को ध्यान से सुनना होगा और आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। मित्रों का विश्वास आप पर बना रहेगा। आपको अपने करीबियों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको अपने विभिन्न कामों को समय पर पूरा करना होगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूत ही आएगी।

कर्क

आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपके बढ़ते खर्च आपको परेशान करेंगे और आप अपने करीबियों का भरोसा भी आसानी से जीत पाएंगे।

तुला

आज का दिन आपकी साख और सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला होगा। आपको अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है।

वृश्चिक

आप लोगों को जोड़ने में सफल रहेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी और आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान-पुण्य के कार्यों में भी लगाएंगे।

धनु

आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। लेनदेन में आपको सजगता बनाए रखनी होगी। मित्रों और सहकर्मियों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

मकर

आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपनी जरूरी मामलों में सहजता से आगे बढ़ें। परिवार में किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने काम को लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है, नहीं तो कुछ ठगी लोग आपका कोई नुकसान करा सकते हैं।

जल्द ही साउथ फिल्मों में जलवा बिखेरेंगी जाह्नवी

जान्हवी कपूर बड़े पर्दे पर छा जाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। अभिनेत्री अलग-अलग किरदारों को निभाकर दर्शकों का दिल जीतने में लगी हुई हैं। सिल्वर स्क्रीन से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय का जादू चलाने वालीं जान्हवी जल्द ही साउथ फिल्मों में भी अपना कमाल दिखाने आ रही हैं। अभिनेत्री को आने वाले दिनों में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करते देखा जाएगा। इसके अलावा हसीना की पाइपलाइन में कई बॉलीवुड फिल्में भी शामिल हैं। आइए जान्हवी कपूर की आगामी फिल्मों की लिस्ट पर गौर फरमा लेते हैं-

फिल्म निर्माता करण जौहर ने हाल ही में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के साथ आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का एलान किया। इसमें वरुण धवन सनी संस्कारी का रोल प्ले करेंगे और जाह्नवी कपूर तुलसी कुमारी बनेंगी। दर्शकों को फिल्म का टाइटल लुभावना लगा है और अब हर किसी की नजरें इसके टीजर पर टिकी हुई हैं। जानकारी हो कि जान्हवी कपूर और वरुण धवन को इससे पहले फिल्म बवाल में साथ देखा जा चुका है।

जान्हवी कपूर जल्द ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया के निर्देशन में बन रही फिल्म उलझ में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने पिछले साल इसकी घोषणा की थी। उलझ एक थ्रिलर फिल्म है। जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस मूवी में जान्हवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू भी हैं।

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बीते लंबे समय से अपनी रिलीज को लेकर चर्चाओं में है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा है। फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की घोषणा निर्माता करण जौहर ने नवंबर 2021 में की थी, और मई 2022 में इसकी शूटिंग शुरू हुई। यह फिल्म 2021 की हॉरर थ्रिलर रूही के बाद जान्हवी और राजकुमार के दूसरे सहयोग का प्रतीक है।

आर्टिकल 370 ने पहले वीकेंड में की धुंआधार कमाई

यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर आने के बाद से ही इसके लिए सॉलिड माहौल बनता नजर आ रहा था। एक ऐतिहासिक राजनीतिक फैसले को बेहतरीन सिनेमेटिक अंदाज में पर्दे पर लेकर आई आर्टिकल 370 शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई। इसे जितने अच्छे रिव्यूज मिले, जनता ने भी फिल्म की उतनी ही तारीफ की। सॉलिड स्टोरीटेलिंग और दमदार वर्ड ऑफ माउथ के दम पर पहले ही दिन से यामी गौतम की फिल्म ने थिएटर्स में दबदबा बनाना शुरू कर दिया।

करीब 2000 स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली आर्टिकल 370 से, पहले दिन दो-ढाई करोड़ रुपये के करीब ओपनिंग लेने की उम्मीद की जा रही थी। मगर इस फिल्म ने पहले ही दिन से सभी अनुमानों को पीछे छोड़ना शुरू कर दिया। आर्टिकल 370 की ये रफ्तार अगले दो दिन भी जारी रही और अब रिपोर्ट्स बता रही हैं कि फिल्म ने पहले वीकेंड में भी धुआंधार कमाई कर ली है।

शुक्रवार को यामी की फिल्म ने सिनेमा लवर्स डे का पूरा फायदा उठाया और 99 रुपये के टिकट की वजह से इसे खूब ऑडियंस मिली। इससे फिल्म को जनता की जमकर तारीफ मिली और खूब माहौल बना। इस पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का असली फायदा शनिवार को हुआ जब नॉर्मल टिकट रेट्स के बावजूद आर्टिकल 370 को बॉक्स ऑफिस पर 35प्रतिशत का जंप मिला। दूसरे दिन फिल्म ने 9.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

अब संडे की ट्रेड रिपोर्ट्स बता रही हैं कि एक बार फिर से फिल्म की कमाई में हल्का सा जंप आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो तीसरे दिन आर्टिकल 370 ने 10.50 से 11 करोड़ के बीच कलेक्शन किया है। यानी फाइनल आंकड़े सामने आने के बाद आर्टिकल 370 का वीकेंड कलेक्शन 26 करोड़ रुपये के करीब पहुंच जाएगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी नानी और मेरी मां मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं : नव्या

नव्या नवेली नंदा अपने पॉडकास्ट शो व्हाट द हेल नव्या की वजह से इन दिनों सुर्खियों में बनीं हुई हैं। वे दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की नातिन हैं। अपने इस पॉडकास्ट शो को नव्या अपनी नानी जया बच्चन और मां श्वेता के साथ होस्ट करती हैं। पिछले दिनों एक कार्यक्रम के दौरान नव्या अपने परिवार और करियर के बारे में खुल कर बातें करती दिखाई दीं। नव्या नवेली नंदा बॉलीवुड के मशहूर स्टार किड्स में से एक हैं। नव्या सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उनके लाखों फॉलोवर्स हैं। नव्या ने प्रोजेक्ट नवेली स्थापना की है। इस प्रोजेक्ट के जरिए वो लड़कियों को पीरियड संबंधी बातों के बारे में जागरूक करती हैं। हाल ही में, मीडिया से बातें करते हुए नव्या ने कहा, आज मैं जो कुछ भी हूं अपने परिवार के बदौलत हूं। लोगों को लगता है कि मैंने काफी कम उम्र में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है, लेकिन मैं इसका क्रेडिट अपने परिवार को देना चाहूंगी।

नव्या नंदा ने अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं इस बात से बिल्कुल भी इनकार नहीं करती हूं कि बच्चन सरनेम की वजह से मुझे सहूलियत नहीं मिली है। मुझे मेरे सरनेम से काफी फायदा मिला है और अब मैं अपने परिवार का नाम रौशन करना चाहती हूं। मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह परिवार मिला है। अगर मैं बच्चन खानदान से नहीं होती तो शायद मुझे इतने मौके नहीं मिलते।

नव्या नवेली नंदा अपने पॉडकास्ट व्हाट द हेल नव्या 2 को में अक्सर बच्चन परिवार के आदर्श और मूल्यों पर बातें करती नजर आती हैं। नव्या अपनी सफलता का क्रेडिट अपनी नानी जया बच्चन को देती हैं। वे कहती हैं, मेरी नानी और मेरी मां मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने मुझे हमेशा सिखाया है कि चाहे कुछ भी हो जाए अपने आदर्शों से पीछे नहीं हटना चाहिए।

एक दूसरे से बोलकर नहीं बल्कि सीटी बजाकर बात करते हैं यहां के लोग

यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है और यहां कई विचित्र चीजें हैं। इनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई विचित्र चीजें हमारे देश में भी हैं। ऐसा ही एक विचित्र और अनोखा गांव मेघालय में है। बता दें कि मेघालय राज्य अपने हरे-भरे जंगलों और दुर्लभ वनस्पतियों के लिए भी प्रसिद्ध है। यह एक बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस होने के साथ सदियों पुरानी संस्कृतियों को भी संरक्षित करता आया है। आज भी यहां लोग कुछ अनोखी और दुर्लभ परंपराओं के साथ जीते हैं। इन्हीं परंपराओं में से एक है सीटी कम्यूनिकेशन। यहां लोग बोलकर नहीं बल्कि सीटी बजाकर एक दूसरे से बातचीत करते हैं। मेघायल में एक अनोखा गांव है जो राजधानी शिलॉग से 60 किलोमीटर दूर पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित है। इस अनोखे गांव का नाम कोंगथोंग है। इस गांव को व्हिसलिंग विलेज के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, यहां लोग एक दूसरे तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए सीटी की धुन का इस्तेमाल करते हैं, जिस कारण इसे ये अनोखा नाम भी मिला है। हर एक ग्रामीण के लिए ये धुन बेहद ही खास है। यहां के ग्रामीण एक दूसरे को इस अनोखी धुन से बुलाते हैं। ये परंपरा आज से नहीं बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही है। फिवस्टार खोंगसित नाम के एक ग्रामीण बताते हैं कि कोंगथोंग के ग्रामीणों ने इस खास और अनोखी धुन को जिंगरवाई लवबी नाम दिया है। इसका मतलब है कि मां का प्यार भरा गीत।

अजब-गजब | विश्वभर में पायी जाती हैं केवल छह प्रजातियां

एक पैर पर खड़ा रहता है यह पक्षी

फ्लेमिंगो दुनिया के ऐसे पक्षी हैं जो बहुत जगह मिलते हैं। लेकिन ये सुदंर पक्षी प्रमुख रूप से अफ्रीका, एशिया, यूरोप और दक्षिण अमेरिका में दिखते हैं। एस आकार की गर्दन, पतले पैर और इनकी कई प्रजातियों को खास गुलाबी रंग इनकी खास पहचान होती है जो इन्हें बहुत ही खूबसूरत पक्षी बनाते हैं। दुनिया में इनकी केवल छह प्रजातियां हैं फिर भी इनकी कई बातें काफी अनोखी होती हैं।

आपने अक्सर फ्लेमिंगक एक टांग पर ही खड़े रहते देखा होगा। अजीब बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ऐसा क्यो होता है। वैज्ञानिक यह पता नहीं लगा सके हैं कि वे ऐसा क्यों करते हैं। कुछ इसके पीछे थकान मिटा कर ऊर्जा बचाने का कारण बताते हैं तो कुछ इसे शरीर की गर्मी बचाने का जरिया मानते हैं

फ्लेमिंगो की खासियत यह होती है कि उनकी चोंच मिट्टी और रेत में से उनका भोजन अलग कर सकती है। इसके लिए वे अपना सिर को पानी में अजीब तरह से डाल कर अपना खाना खाते हैं। उनकी चोंच पानी में डूब जाती है। इनकी चोंच और जीभ पानी से इनका भोजन छानने में मदद करती हैं। आमतौर पर जानवरों में किसी तरह की सामाजिक का अभाव पाया जाता है। पर फ्लेमिंगो ऐसे पक्षी हैं जो किसी एक सीजन में एक साथी को चुन लें तो पूरे मौसम तक उसी साथी के साथ

के साथ रहते हैं। जानवरों में यह एक बहुत ही असामान्य सी बात है। लेकिन एक मौसम में दोनों साथी मिलकर घोंसला बनाते हैं।

कई पक्षी ऐसे होते हैं जो एक साथ बहुत से अंडे देते हैं, लेकिन फ्लेमिंगो ऐसे पक्षी हैं जिनकी मादाएं एक समय पर एक ही अंडा देती हैं। अंडों का आकार प्रजाति के अनुसार अलग-अलग होता है। इतना ही नहीं अंडे की देखभाल नर और मादा दोनों ही बारी बारी से करते हैं। इनके अंडों से एक महीने बाद बच्चा निकलता है। रंग की बात की जाए तो फ्लेमिंगो के बच्चे बिना रंग के ही पैदा होते हैं। उस समय उनका रंग या धूसर होता है या फिर वे सफेद रंग के होते हैं। शुरू के एक दो सालों में ही वे रंग हासिल कर लेते हैं। बच्चे आमतौर पर समूह में रहते हैं और माता पिता को उन्हें आवाज से पहचानते हैं।

फ्लेमिंगो की सबसे अनोखी बात उनके कई प्रजातियों का गुलाबी रंग होता है। उनके रंग के साथ उनके पंखों की चमक का सबसे बड़ी वजह उनका भोजन होता है। हैरानी की बात लगती है, लेकिन यह सच है। उनके भोजन में बीटा कैरोटीन पिग्मेंट के कारण ही उनका रंग गुलाबी हो जाता है और वे जितना अधिक कैरोटीन खाते हैं उतना ही उनमें रंग ज्यादा होता है।

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सबसे बड़े आयुध और मिसाइल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन

» आयुध का पूरा स्पेक्ट्रम 500 एकड़ के क्षेत्र में किया निर्मित

» 3000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर (उत्तर प्रदेश)। भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के रक्षा निर्माता, अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, आयुध और मिसाइलों के निर्माण के लिए दो मेगा प्लांट्स की शुरुआत की। भारत में निजी क्षेत्र में अपनी तरह के ये पहले अत्याधुनिक प्लांट्स रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

साउथ एशिया के इन सबसे बड़े प्लांट्स का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे एवीएसएम वीएसएम एसएम एडीसी, मध्य कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि पीवीएसएम एवीएसएम एसएम वीएसएम, मास्टर जनरल ऑफ सस्टेनेंस लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला यूवाईएसएम वाईएसएम एसएम वीएसएम ने रक्षा मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। उन्होंने राज्य और देश को मजबूत करने की दिशा में अलग-अलग क्षमतओं का सृजन करने में अदाणी डिफेंस के प्रयासों और योगदान की सराहना की। इन प्लांट्स का उद्घाटन बालाकोट हवाई हमले ऑपरेशन बंदर की पाँचवीं वर्षगाँठ के मौके पर किया गया, जो न सिर्फ भारतीय वायु सेना का एक ऐतिहासिक ऑपरेशन था, बल्कि बाहरी खतरों पर भारत की रणनीतिक दृढ़ता का भी प्रमाण था। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, कि यह पूरे देश के लिए बहुत गर्व का क्षण है। यह प्लांट उत्तर प्रदेश के एक औद्योगिक बिजलीघर में परिवर्तन लाने और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत पहल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सार्थक प्रमाण है। अडनी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर में सबसे बड़ा निवेश करने का श्रेय जाता है, जो एक जीवंत डिफेन्स इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भूमि आवंटन के 18 महीने के भीतर परिचालन शुरू हो चुका है, यह बेहद उत्साहजनक है। यह हम सभी के लिए बेहद गर्व का क्षण होगा, जब इन प्लांट्स में उत्पादित आयुध और मिसाइलें राष्ट्र की सुरक्षा करने में मदद करेंगी।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रमुख उपलब्धि : सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे

मिसाइलों और आयुध में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे एवीएसएम वीएसएम एसएम एडीसी ने कहा, कि हाल की भू-राजनीतिक घटनाएँ इस बात पर जोर देती हैं कि लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की तैयारी के लिए आयुध के लिए आंतरिक स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति समय की सबसे महत्वपूर्ण माँग है। इतने बड़े निवेश और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजीस को स्वदेशी बनाने के लिए अदाणी डिफेंस और एयरोस्पेस की यह पहल उपयोगकर्ताओं में रणनीतिक सैन्य आपूर्ति के लिए भारतीय निजी उद्योग पर विश्वास उत्पन्न करने का काम करेगी। यह परिसर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक प्रमुख उपलब्धि है। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस अडानी ग्रुप की प्रमुख रक्षा कंपनी है। यह मानव रहित खंड, काउंटर ड्रोन, खुफिया, निगरानी और टोही प्रौद्योगिकियों और साइबर रक्षा में अद्वितीय क्षमताओं को विकसित करने और पेश करने पर भी केंद्रित है।

समावेशी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिलेगा : राजवंशी

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा, इन अस्त्र शस्त्र और मिसाइल परिसरों की स्थापना आत्मनिर्भरता की हमारी खोज को सम्पूर्ण बनाती है। यह 3,000 करोड़ रुपए से अधिक का सुनियोजित निवेश है, ऐसे में इसका प्रभाव रक्षा क्षेत्र से कहीं आगे तक फैला हुआ है। इससे 4,000 से अधिक नौकरियाँ उत्पन्न होंगी, जिससे एमएसएमई पर पाँच गुना अधिक प्रभाव पड़ेगा और स्थानीय इकोसिस्टम को इससे अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को संरक्षित करते हुए हमारे प्रयास समावेशी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने वाले हों। वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट के दौरान अदाणी ग्रुप द्वारा प्लांट्स की घोषणा के दो वर्षों से भी कम समय में आयुध कॉम्प्लेक्स का संचालन शुरू हो गया है। इंडस्ट्री 4.0 प्लांट अत्याधुनिक स्वचालन को शामिल करता है, जो आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता में उच्चतम मानक सुनिश्चित करने वाला अत्याधुनिक स्वचालन है। इसके अलावा, एक पीईएसओ प्रमाणित परिसर होने के नाते, यह मिसाइलों और सटीक-निर्देशित हथियारों के लिए विस्फोटक प्रबंधन सुविधाओं से भी होगा।

शस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के लिए बनेंगे हथियार

कानपुर का प्लांट 500 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो सबसे बड़े एकीकृत आयुध विनिर्माण परिसरों में से एक बनने के लिए तैयार है। यह सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के लिए उच्च गुणवत्ता वाले छोटे, मध्यम और बड़े कैलिबर आयुध का उत्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्लांट में छोटे कैलिबर आयुध का उत्पादन शुरू किया जा चुका है, जिसकी शुरुआत भारत की वार्षिक आवश्यकता के 25प्रतिशत अनुमानित 150 मिलियन राउंड से होती है।

रांची टेस्ट में टीम इंडिया ने मारी बाजी

» इंग्लैंड को चौथे टेस्ट में 5 विकेट से हराया

» ध्रुव बने मैन ऑफ द मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रांची टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 5 विकेट से शिकस्त दी। 192 रन के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 5 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की ओर से शुभमन गिल ने 52 रन की शानदार पारी खेली, जबकि ध्रुव जुरैल ने 39 रन की नाबाद पारी खेली। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है।

रांची में ध्रुव जुरैल अपनी बल्लेबाजी से हर किसी का दिल ले गए। मुश्किल परिस्थिति में ध्रुव पहली इनिंग में टीम इंडिया के लिए संकटमोचक साबित हुए। ध्रुव ने कुलदीप यादव के साथ मिलकर अहम साझेदारी निभाई, जिसके दम पर भारतीय टीम मैच में वापसी कर सकी। पहली पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज ने 90 रन की दमदार पारी खेली, तो दूसरी इनिंग में भी ध्रुव 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ध्रुव रांची टेस्ट में वो कारनामा कर गए हैं, जो पिछले 22 साल में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं कर सका है। रोहित शर्मा ने मैच के बाद ध्रुव जुरैल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा अपना दूसरा टेस्ट मैच खेलते हुए ध्रुव जुरैल ने कमाल का धैर्य दिखाया और उनके पास विकेट के चारों ओर खेलने के लिए शॉट भी मौजूद नजर आए।

ध्रुव ने किया कमाल

चौथे टेस्ट की दोनों पारियों में शानदार बल्लेबाजी करने का इनाम ध्रुव जुरैल को मिला। ध्रुव को रांची टेस्ट में मैन ऑफ द मैच चुना गया। डेब्यू सीरीज में ध्रुव पिछले 22 साल में मैन ऑफ द मैच चुने जाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर हैं। ध्रुव से पहले साल 2002 में भारत के लिए यह कारनामा अजय रात्रा ने किया था। अजय ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी डेब्यू सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता था।

कोई क्या पहनेगा, कोई और नहीं करेगा तय : राहुल गांधी

» हिजाब पर कांग्रेस सांसद का बयान

» अग्निवीर पूर्व सैनिक संवाद से यात्रा की करेंगे शुरूआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हिजाब समेत महिलाओं के कपड़ों की पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए और किसी को यह तय नहीं करना चाहिए कि किसी व्यक्ति को क्या पहनना है। हिजाब कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा सिर के चारों ओर लपेटा जाने वाला एक स्कार्फ है। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्राओं से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

बातचीत के दौरान, एक लड़की ने कर्नाटक में हालिया हिजाब विवाद का जिक्र किया और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष से पूछा कि क्या वह प्रधानमंत्री होते तो इस पर उनके विचार क्या थे। राहुल ने कहा, एक महिला क्या पहनना चाहती है यह उसका मामला है। उसे अनुमति दी जानी चाहिए। यह मेरी राय है। आप क्या पहनते हैं यह आपकी जिम्मेदारी है। क्या पहनना है यह आपका फैसला है। मुझे नहीं लगता कि आप क्या पहनते हैं यह किसी और को तय करना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा पिछले साल अक्टूबर में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति देने के बाद आई है। अनुमति ने उस विषय पर बहस को फिर से शुरू कर दिया जिसने 2022 में विवाद को जन्म दिया।

न्याय यात्रा दो मार्च को मुरैना में

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मेगा शो बनाने के लिए एमपी कांग्रेस ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके साथ ही राहुल की यात्रा का दो से छह मार्च तक कार्यक्रम जारी हो गया है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा का आगमन दो मार्च को दोपहर 1.30 बजे मुरैना में होगा। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान दोपहर 2 बजे ध्वज सौंपने का समारोह मुरैना के जेबी ढाबा पिपरई (देवपुरी ढाबा) में होगा। इसके बाद अंडर ब्रिज के पास मुरैना में रोड शो एवं स्वागत कार्यक्रम होगा। न्याय यात्रा का रोड शो और ग्वालियर शहर में स्वागत चार शहर का नाका पर होगा, जो जीरा चौक तक होगा, जहां राहुल गांधी का संबोधन होगा।

राहुल गांधी यात्रा की शुरुआत तीन मार्च को अग्निवीर पूर्व सैनिक संवाद के साथ करेंगे। न्याय यात्रा का सुबह 8.30 बजे घाटीगांव में स्वागत होगा और सुबह 10 बजे मोहना गांव में स्वागत होगा। इसके बाद दोपहर 11.30 बजे मोहखेड़ा में आदिवासी संवाद होगा और दोपहर 12.30 बजे सातनवाड़ा में न्याय यात्रा का स्वागत होगा। वहीं, सातनवाड़ा में दोपहर भोज होगा। दोपहर दो बजे बाबू क्वार्टर शिवपुरी से झांसी रोड तिराहा तक रोड शो होगा। शाम चार बजे कोलारस में और 5 बजे लुकवासा में न्याय यात्रा का स्वागत होगा। शाम 6.30 बजे बदरवास में राहुल गांधी का संबोधन होगा।

नवजोत सिंह ने प्रियंका से की मुलाकात

पंजाब में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही है। इस बीच उन्होंने पार्टी हाईकमान से मुलाकात की है।

दिल्ली-एनसीआर व यूपी में मौसम पलटा

» छाए रहे बादल, बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर व यूपी में कई इलाकों में मंगलवार सुबह की शुरुआत बारिश के साथ हुई। हवा के साथ आई बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। उधर, उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चली ठंडी हवाओं के कारण सोमवार को दिन में ठंडक महसूस हुई, जबकि सुबह और शाम के समय पारा सामान्य से नीचे जा रहा है। सोमवार को दिन के समय पारा सामान्य से एक डिग्री नीचे रहा। वहीं, सुबह के समय यह सामान्य से तीन डिग्री नीचे गया। हालांकि, दिन में खिली धूप से थोड़ी राहत जरूर मिली। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। दिल्ली का मंगेशपुर इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान सबसे कम 22.7 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को उत्तर-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशाओं से छह किमी की गति तक हवाएं चली। दिन के समय अच्छी धूप खिली। मंगलवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। अगले कुछ दिनों तक तापमान में मामूली बदलाव की उम्मीद है। 29 फरवरी को मौसम में बदलाव की संभावनाएं बन रही है। दो मार्च को भी अच्छी बारिश का अनुमान है।

फोटो :4 पीएम

धरना यूपी पुलिस परीक्षा को लेकर एनएसयूआई के छात्रों ने कांग्रेस कार्यालय से विधान सभा तक किया प्रदर्शन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलिया में कई वाहन भिड़े, छह की मौत

» पिकअप ने जीप में मारी टक्कर, सात घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, दोकटी थाना के सुघर छपरा मोड़ के पास मंगलवार की भोर में तेज रफ्तार पिकअप ने दो कमांडर जीप में टक्कर मार दी।

हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि कई अन्य घायल हो गए। पीड़ित एक समारोह में शामिल होकर एक कार से लौट रहे थे। हादसे में अमित गुप्ता (40), रणजीत शर्मा (38, यश गुप्ता (9, राज गुप्ता (11), राजेंद्र गुप्ता (50)के साथ 50 साल के अज्ञात जीप चालक की मौत हो गई। जबकि सत्येंद्र गुप्ता (40, सोनू गुप्ता (32, रमाशंकर (65), बब्बन प्रसाद (40, हजारी साहू (70), छितेश्वर गुप्ता (30), पंकज कुमार (35) गम्भीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग भगवानपुर गांव के रहने वाले अनवत गुप्ता की लडकी का तिलक चढ़ाने के लिए मासूमपुर थाना खेजुरी गए थे। सुघर छपरा मोड़ के पास गलत दिशा से आ रही पिकअप ने दोनों जीप में टक्कर मार दी। हादसे के बाद जीप में फंसे लोगों की चीखें सुन वहां से गुजर रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस एवं एम्बुलेंस को दी।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन

» समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का मंगलवार को निधन हो गया है। वह 94 साल के थे। सांसद बर्क बीते कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें इसी महीने की शुरुआत में तबीयत बिगड़ने की वजह से मुरादाबाद स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा था।

बर्क के निधन से समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि शफीकुर्रहमान बर्क का जन्म 11 जुलाई 1930 को उत्तर प्रदेश के संभल में हुआ था। वह समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। उन्होंने पहली बार समाजवादी पार्टी की टिकट पर 1996 में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। वहीं, वह 2014 में बसपा से लोकसभा चुनाव लड़े थे और जीत हासिल की थी। बर्क चार बार विधायक और पांच बार सांसद रहे हैं। बीते दिनों शफीकुर्रहमान बर्क का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह संसद भवन के सामने भाजपा के सांसद हरनाथ सिंह यादव से बातचीत करते दिख रहे हैं। इस वीडियो में भाजपा सांसद उनकी सेहत के राज पूछते सुने जा सकते हैं, आप क्या खाते के सवाल पर शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि मैं सिर्फ एक टाइम ही खाता हूं, और वो भी सादी रोटी और दाल या सब्जी के साथ। इसपर भाजपा सांसद उनसे पूछते हैं कि क्या आप नॉनवेज नहीं खाते हैं। इसपर शफीकुर्रहमान बर्क ने जवाब दिया कि रोजाना तो नहीं लेकिन कभी कभार मन किया तो ही।

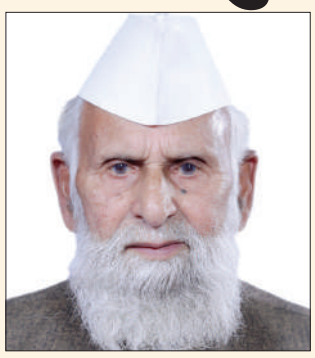

हम सभी और पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति : हसन

सपा सांसद एसटी हसन ने कहा कि यह दुखद खबर है कि शफीकुर रहमान बर्क अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका निधन हम सभी और पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है। एक बहुत बड़े नेता जो हमेशा समानता और न्याय की वकालत करते थे और कभी किसी से नहीं डरते थे, उनका निधन हो गया है।

उनके चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना : मायावती

बर्क के निधन पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी शोक जताया। उन्होंने लिखा- पश्चिमी यूपी से लोकसभा के कई बार सांसद रहे शफीकुर्रहमान बर्क का आज निधन हो जाने की खबर अति-दुःखद, उनके परिवार एवं अन्य सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना, वे काफी मिलनसार व नेक दिल इंसान थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।